HINDI (SET-1)

MARK: 80
TIME: 3Hrs

General Instructions:

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.You will not be allowed to write during the first 15 minutes.This time is to be spent in reading the Question Paper.The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two Sections **– Section A and Section B.**

Attempt all questions from **Section A**.

Attempt any four questions from **Section B,** answering at least one question each from the **two** books you have studied and any two other questions.

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A [40 Marks]
(Attempt all questions from this Section)

Question 1

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : **[15]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

(i)मनुष्य अपने अनुभव से बहुत कुछ सीखता है। अपने बचपन के दिनों की किसी ऐसी सुखद घटना का वर्णन कीजिए, जिसने आपको जीवन की नयी सीख दी हो, यह सीख आपके भावी जीवन में कैसे उपयोगी हो सकती है, इसका विवरण दीजिए।

(ii)“काम को कल पर टालने से मन का भारीपन बढ़ता है, जबकि कल करने वाले काम को आज ही पूरा कर लेने से हमारी कार्यक्षमता बढ़ती है और मानसिक सन्तोष भी प्राप्त होता है।” बताइए कि एक विद्यार्थी के लिए समय का क्या महत्व है ?

(iii)“प्रेम से सामाजिक तथा राष्ट्रीय सम्बन्ध बढ़ते हैं” – प्रस्तुत पंक्ति के आधार पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(iv)एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो।
“आगे कुआँ पीछे खाई।”

(v)नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Question 2

Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below : **[7]**

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i)आपके बड़े भाई ने आपको किसी शर्त पर एक खास भेंट देने की बात कही थी। आप वह शर्त जीत गये हैं, उन्हें नम्रतापूर्वक शर्त की याद दिलाते हुए पत्र लिखिए।

(ii)अपने नगर के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए जिसमें आपके क्षेत्र में फैली गन्दगी तथा उसके दुष्परिणामों की ओर ध्यान आकर्षित कीजिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: **[10]**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासम्भव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

काशी नरेश ने कोसल पर आक्रमण कर दिया था। कोसल के राजा की चारों ओर फैली कीर्ति उन्हें असह्य हो गयी थी। युद्ध में उनकी विजय हुई। पराजित नरेश वन में भाग गये थे ; किन्तु प्रजा उनके वियोग में व्याकुल थी और विजयी को अपना सहयोग नहीं दे रही थी। विजय के गर्व से मत्त काशी नरेश प्रजा के असहयोग से क्रुद्ध हुए। शत्रु को सर्वथा समाप्त करने के लिए उन्होंने घोषणा करा दी-"जो कोसलराज को ढूँढ़ लायेगा, उसे सौ स्वर्ण-मुद्राएँ पुरस्कार में मिलेंगी।"

इस घोषणा का कोई प्रभाव नहीं हुआ। धन के लोभ में धार्मिक राजा को शत्रु के हाथ में देने वाला अधम वहाँ कोई नहीं था।

कोसलराज वन में भटकते घूमने लगे। जटाएँ बढ़ गयीं। शरीर कृश हो गया। वे एक वनवासी के समान दीखने लगे। एक दिन उन्हें देखकर एक पथिक ने पूछा-'यह वन कितना बड़ा है ? वन से निकलने तथा कोसल पहुँचने का मार्ग कौन-सा है ?' .

नरेश चौंके ! उन्होंने पूछा-'आप कोसल क्यों जा रहे हैं ?'

पथिक ने कहा – 'विपत्ति में पड़ा व्यापारी हूँ। माल से लदी नौका नदी में डूब चुकी है। अब द्वार-द्वार कहाँ भिक्षा माँगता भटकता डोलूँ। सुना है कि कोसल के राजा बहुत उदार हैं, अत: उनके पास जा रहा हूँ।'

'तुम दूर से आये हो, वन का मार्ग बीहड़ है। चलो, तुम्हें वहाँ तक पहुँचा आऊँ।' कुछ देर सोचकर राजा ने पथिक से कहा।

पथिक के साथ वे काशी नरेश की सभा में आये। अब उन जटाधारी को कोई पहचानता न था। काशी नरेश ने पूछा-'आप दोनों कैसे पधारे ?' तब उस महात्मा ने कहा- 'मैं कोसल का राजा हूँ मुझे पकड़े के लिए तुमने पुरस्कार घोषित किया है। अब पुरस्कार की वे सौ स्वर्ण-मुद्राएँ इस पथिक को दे दो।'.

सभा में सन्नाटा छा गया। सब बातें सुनकर काशी नरेश अपने सिंहासन से उठे और बोले- 'महाराज ! आप जैसे धर्मात्मा, परोपकार-निष्ठ को पराजित करने की अपेक्षा उसका चरणाश्रित होने का गौरव कहीं अधिक है। यह सिंहासन अब आपका है। मुझे अपना अनुचर स्वीकार करने की कृपा कीजिए।'

व्यापारी को मुँहमाँगा धन प्राप्त हुआ। कोसल और काशी उस दिन से मित्र राज्य बन गये। मानव जीवन की सार्थकता परहित के लिए बलिदान करने की भावना में निहित है। मनुष्य के चरित्र की परीक्षा उसके परोपकारी कामों के आधार पर होती है, न कि व्यक्तिगत वैभवअर्जन पर। जो मनुष्य सबके दु:ख दूर करने में जितना प्रयत्नशील होता है, वह उतना ही सभ्य, सुसंस्कृत एवं उच्च विचारों वाला माना जाता है ; क्योंकि परोपकार का विशद भाव

ही मानव की अन्तरात्मा की महानता की कसौटी है।

(i)कोसल पर आक्रमण किसने और क्यों किया ?

(ii)काशी नरेश ने क्या घोषणा, क्यों करायी थी ?

(iii)पथिक ने कोसलराज से क्या कहा था ? उसके कथन को सुनकर कोसलराज ने क्या निर्णय लिया ?

(iv)कोसलराज को सभा में कोई क्यों न पहचान पाया था ? सभा में सन्नाटा क्यों छा गया था ?

(v)प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली ?

Question 4

Answer the following according to the instructions given : **[8]**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

(i)'जागृति ' का विलोम शब्द होगा -

(a)निवृत्ति (b)सुषुप्ति (c)स्तुति

(ii)अनेक शब्दों केलिए एक शब्द लिखिए -राहुल मेरा छोटा भाई है।

(a)अग्रज (b)सुता (c)अनुज

(iii)शिशु - भाववाचक संज्ञा बताइए :

(a)शैशव (b)शिशुता (c)शिशुत्व

(iv)'बहु 'शब्द का सही बहुवचन रूप क्या होगा ?

(a)बहुऐं (b)बहु (c)बहुओं

(v)'<u>जो</u> जा रहा है उसे मत रोको। रेखांखित शब्द में सर्वनाम का भेद क्या है ?

(a)सम्बन्ध वाचक सर्वनाम (b)अनिश्चयवाचक सर्वनाम (c)निश्चयवाचक सर्वनाम

(vi)अमृत का पर्यायवाची होगा :

(a)पीयूष (b)अम्बु (c)सलिल

(vii)'हाथ पाँव फूलना ' मुहावरे का अर्थ बताइए :

(a)भारी बारिश होना (b)घबरा जाना (c)कोई बड़ी हानि होना

(viii)वहाँ पचास छात्र एकत्रित थे। वाक्य में 'पचास' विशेषण का कौन -सा भेद है ?

(a)गुणवाचक विशेषण (b)संख्यावाचक विशेषण (c)परिमाणवाचक विशेषण

SECTION – B [40 Marks]

Attempt any four questions from this Section

Question 5

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow : **[10]**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

उसके अन्तस्तल में वह शोक जाकर बस गया था। वह प्राय: अकेला बैठा-बैठा शून्य मन से आकाश की ओर ताका करता। एक दिन उसने ऊपर आसमान में पतंग उड़ती देखी। न जाने क्या सोचकर उसका हृदय एकदम खिल उठा। विश्वेश्वर के पास जाकर बोला, “काका ! मुझे एक पतंग मँगा दो।”

[‘काकी’ – सियारामशरण गुप्त]

(i)'उसके' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? उसके दुखी होने का क्या कारण था ?
(ii)क्या देखकर उसका हृदय खिल उठा था ? उसने अपने पिता से क्या माँगा ?
(iii)उसने उस चीज का प्रबंध कैसे किया ?क्या उसके इस कार्य कोअपराध कहना उचित होगा ? समझाइए।
(iv) विश्वेश्वर ने बालक के साथ कैसा व्यवहार किया ? संक्षेप में समझाते हुए उनके इस तरह के व्यवहार का – कारण तथा सच्चाई जानने के बाद की स्थिति का भी वर्णन कीजिए।

Question 6

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow : **[10]**
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :
"उसने कोई बहाना न बनाया। चाहता तो कह सकता कि यह साजिश है। मैं नौकरी नहीं करना चाहता इसीलिए हलवाई से मिलकर मुझे फँसा रहे हैं, पर एक और अपराध करने का साहस वह न जुटा पाया। उसकी आँखें खुल गई थीं।"
[बात अठन्नी की – सुदर्शन]
(i) किसे कौन फँसा रहा था ? उसने क्या अपराध किया था ?
(ii) रसीला कौन है ? उसका परिचय दीजिए।
(iii) हमें अपने नौकरों से कैसा व्यवहार करना चाहिए ? कहानी के आधार पर उदाहरण देकर समझाइए।
(iv) इस कहानी में लेखक ने समाज की कौन-सी बुराई को प्रकट करने का प्रयास किया है ? क्या वे अपने प्रयास में सफल हुए ? समझाकर लिखिये।

Question 7

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow : **[10]**
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :
"पर, 'सब दिन होत न एक समान' अकस्मात् दिन फिरे और सेठ को गरीबी का मुँह देखना पड़ा। संगीसाथियों ने भी मुँह फेर लिया और नौबत यहाँ तक आ गई कि सेठ व सेठानी भूखे मरने लगे।"
[महायज्ञ का पुरस्कार – यशपाल]
(i)अकस्मात् बुरा समय किसका आ गया था तथा बुरा समय आने से पहले उसकी दशा कैसी थी ?
(ii)अपना बुरा समय दूर करने के लिए सेठ ने क्या उपाय सोचा ? इस उपाय के लिए उन्हें किसके पास जाना पड़ा ?
(iii)सेठ के मार्ग में कौन-सा महायज्ञ किया था। क्या वह वास्तव में महायज्ञ था। समझाकर लिखिए।
(iv)कहानी का उद्देश्य लिखिए।

Question 8

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow : **[10]**
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :
"लाठी में गुण बहुत हैं, सदा राखिये संग।
गहरि, नदी, नारी जहाँ, वहाँ बचावै अंग।।

वहाँ बचावै अंग, झपटि कुत्ता कहँ मारे।
दुश्मन दावागीर, होयँ तिनहूँ को झारै।।
कह 'गिरिधर कविराय' सुनो हो धूर के बाठी।।
सब हथियार के छाँड़ि, हाथ महँ लीजै लाठी।।"
[कुंडलियाँ – गिरिधर कविराय]

(i)इस कुंडली में किसकी उपयोगिता बताई गई है ? कवि ने किस समय मनुष्य को लाठी रखने का परामर्श दिया है ?

(ii)लाठी हमारे शरीर की सुरक्षा किस प्रकार करती है ?

(iii)लाठी किन तीनों से निपटने में सहायक होती है और किस प्रकार ?

(iv)कवि सब हथियार छोड़कर लाठी लेने की बात क्यों कर रहे हैं ? अपने विचार व्यक्त करते हुए कुंडलियाँ लेखन का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

Question 9

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow : **[10]**
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पायँ।"
बलिहारी गुरु आपनो जिन गोविंद दियो बताय।।
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि ।।
[साखी – कबीर दास]

(i)कवि किसके बारे में क्या सोच रहे हैं ?

(ii)कवि किसके ऊपर न्योछावर (समर्पण) हो जाना चाहते हैं तथा क्यों ?

(iii)ईश्वर का वास कहाँ नहीं होता है ? कवि हमें क्या त्यागने की प्रेरणा दे रहें हैं ? कवि का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताइए।

(iv)'साँकरी' शब्द का क्या अर्थ है ? प्रेम गली से कवि का क्या तात्पर्य है ? उसमें कौन दो एक साथ नहीं रह सकते हैं समझाइए।

Question 10

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow : **[10]**
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

न्यायोचित सुख सुलभ नहीं
जब तक मानव-मानव को चैन
कहाँ धरती पर तब तक शांति
कहाँ इस भव को ? जब तक
मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं
सम होगा शमित न होगा
कोलाहल संघर्ष नहीं कम होगा।"
['स्वर्ग बना सकते हैं' – रामधारी सिंह 'दिनकर']

(i)'भव' शब्द का क्या अर्थ है ? कवि के अनुसार इस भव में शांति क्यों नहीं है ?

(ii)शब्दों के अर्थ लिखिए-न्यायोचित, सम, सुलभ, कोलाहल।।

(iii)'शमित न होगा कोलाहल संघर्ष नहीं कम होगा' पंक्ति का भावार्थ लिखिए।
(iv)उपरोक्त पंक्तियाँ 'दिनकर जी' की किस प्रसिद्ध रचना से ली गई हैं ? कविता का केंद्रीय भाव लिखते हुए बताइए।

Question 11

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow : **[10]**
निम्नलिखित गदयांश को पढिए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

आखिर सरिता को देखने का दिन आ ही गया। अमित के घर में विशेष चहल-पहल थी। अमित की माताजी में विशेष उत्साह नजर आ रहा था। माताजी के कहने में आकर उसके पिता भी इस रिश्ते में रुचि लेने लगे थे। अमित की बहन मधु भी अपनी होने वाली भाभी को देखने के लिए उत्सुक थी।

(i) अमित कौन है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए।
(ii) विशेष चहल-पहल का क्या कारण था, इस अवसर पर अमित की स्थिति स्पष्ट कीजिए।
(iii) मायारामजी को स्वर्ग की अनुभूति कहाँ और कैसे होती है और क्यों होती है ?
(iv) अमित और सरिता के बीच हुई बातचीत को संक्षेप में लिखिए।

Question 12

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow : **[10]**
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"अमित का नाम सुनते ही दरवाज़े की ओर पीठ किए बैठी मीनू ने मुड़कर देखा तो वह आश्चर्यचकित रह गई। मीनू जब भी अमित को देखती, उसके मन में अजीब सी घृणा उत्पन्न हो जाती। अमित व उसके सभी मित्र वहाँ आ चुके थे परन्तु मीनू अभी भी सोच में डूबी हुई थी।"

(i)मीनू इस समय कहाँ थी ? वहाँ अमित से उसकी कैसे मुलाकात हो गई ?
(ii)मीनू और अमित के बीच क्या सम्बन्ध था ? वह उससे घृणा क्यों करती थी ?
(iii)उसे वहाँ किस सच्चाई का पता चला ? उन बातों का उसपर क्या प्रभाव पड़ा ?
(iv)"मीनू परिस्थितियों से हार मानने वाली कोई साधारण नारी नहीं थी" – स्पष्ट कीजिए कि उसने अपने जीवन को कैसे नई दिशा दी ?

****